DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 November 2022

बिरसा मुंडा

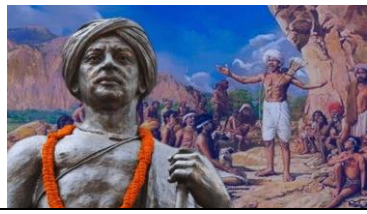

❖ संदर्भ

➢ आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर, केंद्र ने भारतीय संस्कृति में आदिवासी समुदायों के योगदान का उत्सव मनाने के लिए 15 नवंबर को दूसरा जनजातीय गौरव दिवस मनाया है।

❖ मुख्य बिंदु

• सरकार ने हाल ही में स्वतंत्रता-पूर्व युग के अन्य आदिवासी नेताओं को भी श्रद्धांजलि दी है।

अल्लूरी सीताराम राजू की प्रतिमा का उद्घाटन भी इसी वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था।

एक नए 'आदिवासी संग्रहालय' की घोषणा की गई।

❖ बिरसा मुंडा के विषय में

• 15 नवंबर, 1875 को जन्म हुआ था।

• वह मुंडा जनजाति से थे जो आज के झारखंड के छोटा नागपुर क्षेत्र में रहती थी।

• जर्मन मिशन स्कूल में शामिल होने के लिए बिरसा ने ईसाई धर्म अपना लिया। हालाँकि, उन्होंने कुछ वर्षों के पश्चात स्कूल छोड़ दिया था।

• उन्हें भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक मजबूत विरोध के रूप में याद किया जाता है।

• धरती आबा (पृथ्वी के पिता) के रूप में भी जाना जाता है, बिरसा मुंडा को अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी समुदाय को लामबंद करने के लिए जाना जाता है

• उन्होंने आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा करने वाले कानूनों को लागू करने के लिए औपनिवेशिक अधिकारियों को मजबूर किया था।

• 1886 से 1890 तक, बिरसा मुंडा ने चाईबासा में काफी समय व्यतीत, किया था जो सरदारी आंदोलन के केंद्र के करीब था।

❖ बिरसैट संप्रदाय:

बिरसा आदिवासी समाज में सुधार करना चाहते थे।

उन्होंने उनसे जादू टोना में विश्वासों को त्यागने का आग्रह किया।

उन्होंने प्रार्थना के महत्व, शराब से दूर रहने, ईश्वर में विश्वास रखने और आचार संहिता का पालन करने पर बल दिया है।

इन्हीं के आधार पर उन्होंने 'बिरसैत' की आस्था की शुरुआत की।

❖ उलगुलान आंदोलन:

- इसे मुंडा विद्रोह या महान कोलाहल के नाम से भी जाना जाता है।
- इसका नेतृत्व रांची के दक्षिण में बिरसा मुंडा ने 1899-1900 में किया था।
- मुंडा ने आदिवासियों को औपनिवेशिक कानूनों को अस्वीकार करने और लगान देने के लिए प्रोत्साहित किया।
- उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भीपरिवर्तन को प्रोत्साहित किया, अंधविश्वास के खिलाफ लड़ने के लिए धार्मिक प्रथाओं को चुनौती दी।
- उन्हें उनके अनुयायियों द्वारा 'भगवान' (भगवान) और 'धरती आबा' (पृथ्वी के पिता) के रूप में जाना जाने लगा।
- इसने औपनिवेशिक सरकार को मजबूर किया। कानूनों को लागू करने के लिए ताकि आदिवासियों की भूमि आसानी से दिकुस (छोटानागपुर किरायेदारी अधिनियम, 1908) द्वारा न ली जा सके।

भारत की अवसंरचना आवश्यकताओं का वित्तपोषण रिपोर्ट

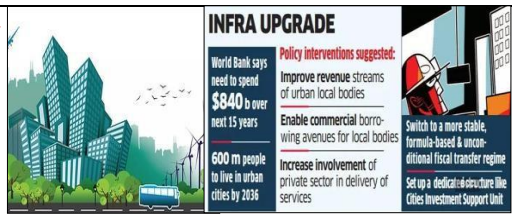

❖ संदर्भ

➢ विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट जारी की है - 'भारत की अवसंरचना आवश्यकताओं का वित्तपोषण:वाणिज्यिक वित्तपोषण की बाधाएं और नीतिगत कार्रवाई की संभावनाएं'।

❖ मुख्य बिंदु

• 2036 तक, 600 मिलियन लोग भारत के शहरों में रह रहे होंगे, जो 40% आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

• बढ़ती शहरी आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत को अगले 15 वर्षों में 840 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी।

• भारत को शहर के आधारभूत ढांचे में अपने वार्षिक निवेश को पिछले एक दशक में औसतन $ 10.6 बिलियन प्रति वर्ष से बढ़ाकर औसतन $55

• 2011 और 2018 के बीच, शहरी संपत्ति कर निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद के 0.3-0.6% के औसत की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद का 0.15% था।

• नगरपालिका सेवाओं के लिए कम सेवा शुल्क भी उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और निजी निवेश के प्रति आकर्षण को कमजोर करता है।

❖ निजी वित्त की भूमिका

• अभी तक, शहरी अवसंरचना के निवेश का केवल 5 प्रतिशत निजी क्षेत्र से आ रहा था।

बिलियन प्रति वर्ष करने की आवश्यकता है।
• आवश्यक निवेश का आधा बुनियादी नगरपालिका सेवा क्षेत्र में है जिसमें जल आपूर्ति, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सड़कें और स्ट्रीट लाइट शामिल हैं।

❖ **स्थानीय वित्त निकाय**

• वर्तमान में, केंद्र और राज्य सरकारें शहर के आधारभूत ढांचे के 75% से अधिक का वित्तपोषण करती हैं, जबकि शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) अपने स्वयं के अधिशेष राजस्व के माध्यम से 15% का वित्तपोषण करते हैं।
• सरकार के वर्तमान (2018) वार्षिक शहरी बुनियादी ढांचे के निवेश के साथ $16 बिलियन के शीर्ष पर होने के कारण, अधिकांश अंतर के लिए निजी वित्तपोषण की आवश्यकता होगी।

● **सिफारिशें**

• शहरों को वित्त ट्रांसफर करने का फॉर्मूला आधारित और बिना शर्त हो।
• नगर एजेंसियों के अधिदेशों को धीरे-धीरे बढ़ाना।
• भारत सरकार को निजी वित्तपोषण प्राप्त करने में शहरों का सामना करने वाले बाजार के झगड़ों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

"इन आवर लाइफटाइम" कैंपेन

❖ **संदर्भ**

➢ हाल ही में, भारत ने जलवायु समिट 2022 (कॉप 27) में "इन अवर लाइफटाइम" अभियान प्रारम्भ किया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

• पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के अंतर्गत राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (NMNH) द्वारा प्रारम्भ किया गया है।
• **उद्देश्य**: 18 से 23 वर्ष की आयु के बीच के युवाओं को स्थायी जीवन शैली के संदेश वाहक बनने के लिए प्रोत्साहित करना।
• **कार्य**: युवाओं को अपने जलवायु कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जो उनकी क्षमता के भीतर पर्यावरण के लिए जीवन शैली में योगदान करते हैं, जो सतत और मापनीय हैं, तथा अच्छी प्रथाओं के रूप में कार्य करते हैं जिन्हें विश्व स्तर पर साझा किया जा सकता है।
• इस अभियान में जलवायु परिवर्तन, अनुकूलन और शमन के विषय में बातचीत में अधिक युवा शामिल होंगे।
• इसने उन्हें विश्व के नेताओं के साथ अपनी चिंताओं, मुद्दों और समाधानों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया है।
• यह उन युवाओं की आवाज को तेज करेगा जो तेजी से जलवायु के प्रति जागरूक हैं और युवा जलवायु चैंपियनों को मान्यता प्रदान करेंगे।

● **युवाओं की आवश्यकता:**

• युवा नई आदतों को लोकप्रिय बनाने, प्रौद्योगिकियों को अपनाने में दक्ष हैं और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में योगदान करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में हैं।
• युवाओं को कम कार्बन वाले करियर विकल्प बनाने और ऐसी जीवन शैली को अपने दैनिक जीवन के हिस्से के रूप में अपनाने की आवश्यकता है।

ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रदाता (ओबीपीपी)

❖ **संदर्भ**

➢ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रदाताओं के लिए एक विस्तृत नियामक ढांचा प्रस्तुत किया है।

❖ **पृष्ठभूमि**

• भारत में खरबों रुपये का बांड बाजार है, लेकिन यह बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इक्विटी जैसे व्यापारियों को आकर्षित नहीं करता है।
• इसके बजाय, दर्जनों वेबसाइटें है ,जो खुद को फिनटेक कंपनियां बताती हैं, मुख्य रूप से बड़े स्टॉक ब्रोकरों द्वारा समर्थित है, इनके द्वारा अपने प्लेटफॉर्म पर खुदरा निवेशकों को बिना किसी नियामक निरीक्षण के बांड बेचना प्रारम्भ कर दिया है।
• इसके परिणामस्वरूप, भारत में ई-कॉमर्स वेबसाइटों की तरह ऑनलाइन बॉन्ड

❖ **नियम के अनुसार ?**

• ओबीपीपी भारत में निगमित कंपनियां होंगी।
• उन्हें अपने आप को स्टॉक एक्सचेंज के डेब्ट सेगमेंट में स्टॉक ब्रोकर के रूप में पंजीकृत करना चाहिए।
• स्टॉक एक्सचेंज के डेब्ट सेगमेंट में स्टॉक ब्रोकर के रूप में पंजीकरण प्राप्त करने के पश्चात, एक इकाई को ओबीपीपी के रूप में कार्य करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज में आवेदन करना होगा।
• वे इसके प्लेटफॉर्म पर उत्पादों या सेवाओं की पेशकश नहीं कर सकते

प्लेटफॉर्मों ने गैर-संस्थागत निवेशकों को ऋण प्रतिभूतियों की पेशकश जारी कर दिया है।	सिवाय:सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियां के। • ऋण प्रतिभूतियों को सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

संक्षिप्त सुर्ख़ियाँ

तमन हुतुन राया

❖ **सन्दर्भ**

➢ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति अपने जी20 मेहमानों को तमन हुतन राया के इंडोनेशियाई मैंग्रोव में ले जाएंगे।

❖ **मुख्य बिंदु**

• यह इंडोनेशिया के बांडुंग में पुलोसारी पर्वत पर स्थित एक संरक्षण क्षेत्र और वनस्पति उद्यान है।

• लगभग 700 एकड़ को आच्छादित करने वाली 30 वर्ष की परियोजना में इसे बहाल कर दिया गया है।

• पार्क की यात्रा से मैंग्रोव वनों को बचाने के महत्व को उजागर करने में सहायता मिलेगी।

• उनके पास विश्व में सबसे अधिक जैव विविधता वाला पारिस्थितिक तंत्र है, जो अत्यधिक जलवायु घटनाओं के खिलाफ जैव-ढाल के रूप में कार्य करता है और महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में कार्य करता है, जो नियमित वनों की तुलना में अधिक कार्बन उत्सर्जन को अवशोषित करता है।

राज्यों की बाजारी ऋण सीमा

❖ **सन्दर्भ**

➢ केरल के वित्तमंत्री ने केंद्रीय वित्तमंत्री से राज्य की ऋण सीमा का विस्तार करने का आग्रह किया है।

❖ **मुख्य बिंदु**

• केंद्र ने राज्यों की शुद्ध उधार सीमा 8,57,849 करोड़ रुपये तय की जाएगी अथवा पंद्रहवें वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 3.5 प्रतिशत होगी।

• राज्य बिजली क्षेत्र में सुधारों से जुड़े जीएसडीपी के 0.50 प्रतिशत की अतिरिक्त उधारी के लिए भी पात्र हैं।

❖ **संवैधानिक प्रावधान**

• राज्य संविधान के अनुच्छेद 293(3) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित वार्षिक सीमा से अधिक उधार नहीं ले सकते।

• अनुच्छेद 293(4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करते समय केंद्र कुछ शर्तें लगा सकता है। हालांकि राज्यों को अपनी संस्थाओं द्वारा जारी किए गए ऋण और अग्रिम, और बांड की गारंटी के लिए केंद्र से पूर्व सहमति की आवश्यकता नहीं है।

गूगल का 1,000 भाषा आधारित एआई (AI) मॉडल

❖ **संदर्भ**

➢ हाल ही में, गूगल (Google) ने प्रकाशित किया है कि वह एक ऐसा मॉडल विकसित कर रहा है जो विश्व की 1,000 सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं का समर्थन कर सकता है।

❖ **मुख्य बिंदु**

• इस परियोजना का विकास प्रारम्भ हो गया है और शोधकर्ता अब मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए भाषाई डेटा एकत्र कर रहे हैं।

• अंतिम लक्ष्य गूगल उपयोगकर्ताओं को बेहतर खोज, अधिक सटीक ऑटो-जेनरेटेड कैप्शन, प्राकृतिक ऑनलाइन अनुवाद और तेज़ गणनाओं का अनुभव करने में सक्षम बनाना है।

• गूगल की योजना 1,000 भाषाओं के लिए एक विशाल मॉडल बनाने की है ताकि व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली और दुर्लभ दोनों भाषाएं एक साथ रह सकें, बातचीत कर सकें और एक साथ विकसित हो सकें।

• एआई भाषा मॉडल का अनुप्रयोग: एआई भाषा मॉडल के माध्यम से, कंपनियां मैन्युअल प्रक्रियाओं को स्वचालित करने,

	मौजूदा डेटा के आधार पर नई अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती हैं। • कंपनियां अनुवाद, ग्राहक सेवा या गणना जैसे क्षेत्रों में मानव श्रम पर निर्भरता कम करने का प्रयास करती हैं। **उदाहरण**- वेबसाइट चैटबॉट।
लीडआईटी समिट 2022	❖ **सन्दर्भ** ➢ हाल ही में, भारत और स्वीडन ने मिस्र में शर्म अल शेख में कॉप 27 के दौरान लीडआईटी (लीडरशिप फॉर इंडस्ट्री ट्रांजीशन) शिखर सम्मेलन की मेजबानी की है। ❖ **मुख्य बिंदु** • लीडआईटी पहल औद्योगिक क्षेत्र को कम करने के लिए कड़ी मेहनत के कम कार्बन संक्रमण पर केंद्रित है। • यह उन देशों और कंपनियों को इकट्ठा करता है जो पेरिस समझौते को हासिल करने के लिए कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। • इसे सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में स्वीडन और भारत की सरकारों द्वारा लॉन्च किया गया था। • यह विश्व आर्थिक मंच द्वारा समर्थित है। • लीडआईटी सदस्य इस धारणा की सदस्यता लेते हैं कि ऊर्जा-गहन उद्योग निम्न-कार्बन मार्गों पर प्रगति कर सकता है और जिसका लक्ष्य शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना होना चाहिए है।
मानव जनसंख्या ने 8 अरब के आकड़ो को स्पर्श कर लिया	❖ **संदर्भ** ➢ हाल ही में, 15 नवंबर, 2022 को मानव आबादी 8 अरब तक पहुंच गई। ❖ **मुख्य बिंदु** • संयुक्त राष्ट्र की जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार: वैश्विक जनसंख्या 1950 के बाद से सबसे धीमी दर से बढ़ रही है, जो 2020 में 1% से कम हो गई है। • विश्व की जनसंख्या 2030 में लगभग 8.5 बिलियन और 2050 में 9.7 बिलियन तक बढ़ सकती है। •2080 के दौरान 10.4 अरब लोगो के साथ इसके लगभग शिखर पर पहुंचने का अनुमान है और 2100 तक उस स्तर पर बने रहने के लिए। • शीर्ष 10 सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं: चीन, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नाइजीरिया, ब्राजील, बांग्लादेश, रूस और मैक्सिको। • भारत की जनसांख्यिकी : भारत के 2023 में विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकलने का अनुमान है। • आयु- 15-64 वर्ष (68%), 65 वर्ष से अधिक (7%), 15-29 वर्ष (27%)। • भारत विश्व की सबसे बड़ी किशोर आबादी (10-19) वर्ष का भी घर है।
युद्ध अभ्यास 22	❖ **सन्दर्भ** ➢ भारत-अमेरिका संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "युद्ध अभ्यास 22" का 18वां संस्करण नवंबर, 2022 में उत्तराखंड में आयोजित होने वाला है। ❖ **मुख्य बिंदु** • इस अभ्यास का पिछला संस्करण अक्टूबर 2021 में संयुक्त बेस एल्मेंडॉर्फ रिचर्डसन, अलास्का (यूएसए) में आयोजित किया गया था।

	• यह युद्ध अभ्यास भारत और अमेरिका के बीच प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। • इसका उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीति, तकनीकों और प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है। • 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की दूसरी ब्रिगेड के अमेरिकी सेना के जवान और असम रेजिमेंट के भारतीय सेना के जवान अभ्यास में प्रतिभाग करेंगे। • इस अभ्यास में लड़ाकू इंजीनियरिंग, मानवरहित विमान प्रणालियों (यूएएस)/काउंटर यूएएस तकनीकों और सूचना संचालन के रोजगार सहित युद्ध कौशल के व्यापक स्पेक्ट्रम पर आदान-प्रदान और अभ्यास शामिल होंगे। • संयुक्त अभ्यास मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।
रियल क्राफ्ट	❖ **सन्दर्भ** ➢ भारतीय नौसेना ने कहा था कि रीयल क्राफ्ट ने भारत में मछली पकड़ने वाले जहाजों के सत्यापन और निगरानी को बहुत सुविधाजनक बना दिया है। ❖ **मुख्य बिंदु** •रियल क्राफ्ट(RealCraft) का अर्थ मछली पकड़ने के शिल्प का पंजीकरण और लाइसेंसिंग है। • यह एक वेब सक्षम कार्यप्रवाह आधारित अनुप्रयोग है जिसे ओपन सोर्स प्रौद्योगिकी के अंतर्गत विकसित किया गया है। • इसे मात्स्यिकी विभाग द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। • इसका उद्देश्य मर्चेंट शिपिंग एक्ट के अंतर्गत वेसल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, और संबंधित राज्यों के मरीन फिशिंग रेगुलेशन एक्ट के अंतर्गत फिशिंग लाइसेंस सर्टिफिकेट, भारतीय तट के साथ काम करने वाले सभी फिशिंग जहाजों को जारी करना है। • मुख्य उद्देश्य मछली पकड़ने वाले जहाजों के लिए एक राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना और समुद्र में मछुआरों की तटीय सुरक्षा और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उनकी गतिविधियों को विनियमित करना है। • सुरक्षा एजेंसियां और अन्य अनुमोदित सरकारी मशीनरी इंटरनेट या एसएमएस के माध्यम से किसी भी समय किसी भी पंजीकृत समुद्री जहाज की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम हैं।
एलओडीआर (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) नियम	❖ **संदर्भ** ➢ सेबी ने बदलते बाजार की गतिशीलता के साथ तालमेल रखते हुए एलओडीआर नियमों के अंतर्गत कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों का प्रस्ताव दिया है। ❖ **मुख्य बिंदु** ● **वर्तमान प्रावधान** • एक सूचीबद्ध संस्था अपनी पहल पर स्टॉक एक्सचेंजों को किसी रिपोर्ट की गई घटना या सूचना की पुष्टि या खंडन कर सकती है। • कंपनी को किसी महत्वपूर्ण घटना के घटित होने के 24 घंटे के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों को जानकारी का खुलासा करना होता है। ● **प्रस्तावित परिवर्तन** • शीर्ष 250 सूचीबद्ध कंपनियों को मुख्यधारा के मीडिया में रिपोर्ट की गई किसी भी जानकारी की पुष्टि या खंडन करना होगा जो सूचीबद्ध इकाई पर भौतिक प्रभाव डाल सकती है। • प्रकटीकरण समय-सीमा को घटाकर 12 घंटे कर दी गई।

	• घटना के मूल्य या अपेक्षित मात्रात्मक प्रभाव के आधार पर घटनाओं के प्रकटीकरण के लिए न्यूनतम सीमा का मात्रात्मक मानदंड तय करना। ❖ **सूचीबद्ध कंपनी के विषय में** • सूचीबद्ध कंपनी एक सार्वजनिक कंपनी है। इसने अपने स्टॉक के शेयर एक एक्सचेंज के माध्यम से जारी किए हैं, प्रत्येक शेयर कंपनी के स्वामित्व के एक स्लीवर का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे स्टॉक एक्सचेंज में आगे कारोबार किया जा सकता है। • भारत में सभी सूचीबद्ध कंपनियां भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा विनियम के अधीन हैं। • एक कंपनी जो एक्सचेंज के मानकों को पूरा नहीं करती है, वह ओवर-द-काउंटर बाजार के माध्यम से जनता को स्टॉक शेयर की पेशकश कर सकती है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare